राजधानी तथा देश के महानगरों के बीच सीधी रेलगाड़ी का शुरू किया जाना

402. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे देश की राजधानी तथा कतिपय महानगरों में सीधी रेलगाड़ी सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा यह कार्य कब से प्रारंभ किया जायेगा?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका): (क) और (ख) मामला विचाराधीन है।

पटना तथा गया रेलवे सटेशनों पर बेची गयी टिकटों का कुल मूल्य

403. **श्री शंकर दयाल सिंह:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत छः महीनों में पटना और गया रेलवे स्टेशनों से दिल्ली और हावड़ा के लिए राजधानी एक्सप्रेस में कुल कितनी राशि की टिकटों की बिक्री हुई है; और

(ख) क्या सरकार गया और पटना से दिल्ली तथा हावड़ा रेलवे स्टेशनों के लिए राजधानी एक्सप्रेस में चेयर कार कुर्सियों और शायिकाओं (बर्थों) का कोटा बढ़ाने का विचार रखती है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका): (क) जुलाई, 1993 से दिसम्बर, 1993 तक पिछले छः महीनों के दौरान पटना और गया रेलवे स्टेशनों पर दिल्ली और हावड़ा के लिए राजधानी एक्सप्रेस गाड़ियों के लिए बेचे गये टिकटों का कुल मूल्य लगभग 55.70 लाख रुपये था।

(ख) जी नहीं, फिलहाल नहीं।

रेलवे स्टेशनों पर आधारभूत सुविधाओं का अभाव

404. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम रेलवे के अंतर्गत गुजरात के उन रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है जहां प्रतीक्षालय, भोजनालय, पेयजल, शौचालय, आराम गृह और प्लेटफार्म पर छत जैसी सुविधाओं का अभाव है;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में अभी तक कोई सर्वेक्षण कराया है तथा रेलवे सलाहकार समिति द्वारा दिये गये सुझावों और पेश की गई मांगों की संख्या कितनी है तथा इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;

(ग) क्या चालू रेल बजट परिव्यय के अंतर्गत उक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(घ) क्या यह सच है कि सरकार ने गुजरात के लिए चालू रेल बजट में रेल यात्रियों को सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु धनराशि का उचित आवंटन नहीं किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के०सी० लेंका): (क) से (ग) स्टेशनों पर सम्हाले जा रहे यात्री यातायात की मात्रा के आधार पर मानदण्डों के अनुसार सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। यातायात की मात्रा में बढ़ोत्तरी के कारण उत्पन्न कमियों का पता लगाने के लिए आवधिक सर्वेक्षण किए जाते हैं और उन्हें चरणबद्ध आधार पर दूर करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाते हैं, बशर्ते कि धन उपलब्ध हो। प्रस्ताव तैयार करते समय विभिन्न निकायों से प्राप्त सुझावों पर विचार किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान भी गुजरात राज्य में स्टेशनों के लिए तदनुसार आवश्यक प्रस्ताव शामिल किए गए हैं।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

Exploitation of Land in Bangalore Cantonment Railway Station

405. SHRI J.P. JAVALI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a decision to commercially exploit the land in and around Bangalore Cantonment Railway Station, by disposing off the same to private developers, has been taken;

(b) if so, what are the details of the extent of the land for sale and the estimated amount Railways would release therefrom;

(c) whether a policy decision has been taken to dispose of all the surplus railway

lands all over the country; and

(d) if so, what are the reasons to take such a decision?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIFF): (a) No. Sir.

(b) to (d) Do not arise.

Import of Locomotives

406. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI N. GIRI PRASAD:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government are importing Railway locomotives;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether indigenous locomotive manufacturing units have enough capacity to manufacture locomotives required for our Railways; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(b) The technology used in electric locomotives presently manufactured in the country is of 1960 vintage. Import of a few 6000 HP electric locomotives having the latest state of the art technology, with transfer of technology for serious manufacture of locomotives at Chittaranjan Locomotive Works has been considered necessary to upgrade the locomotive fleet of Indian Railways.

(c) The capacity of indigenous locomotive manufacturing units is marginally short of requirements and is being augmented.

(d) 30 nos. (20 freight and 10 passenger) of 6000 HP Electric locomotives having GTO thyristor based 3-phase asynchronous motor drive and micro-processor control are being imported, with transfer of technology for series manufacture of these locomotives at Chittaranjan Locomotive Works.

Electrification of Railway Lines in Punjab

407. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) what is the total length of railway line in Punjab that has been electrified so far and what are the details of the lines proposed to be electrified during the current financial year;

(b) what are the details of other lines in Punjab that are proposed to be taken up for Electrification during the coming year; and

(c) by when the Delhi-Amritsar line would be fully electrified?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) Nil.

(b) and (c) Electrification of Delhi-Ambala-Ludhiana section of which Sambhu-Ludhiana (108 kms) is in the State of Punjab is in progress and is polanned for completion by March, 97, subject to availabiiity of resources.

There is, at present, no proposal to extend electrification beyond Ludhiana to Amritsar.

Running of new trains between Guruvayoor and Nagercoil

408. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Railways introduced a new train between Guruvayoor and Nagercoil;

(b) whether Government have studied about the feasibility of extending this train upto Kanyakumari; and

(c) if the answer to part (b) above be in the negative, what are the reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Extension of the train upto Kanyakumari is not commercially justified, besiedes posing operational constraints.